अर्धवार्षिक परीक्षा, 2017

हिन्दी (केन्द्रिक कोर)

अवधि - 3 घंटे | कक्षा - बारहवीं | पूर्णांक - 100

विद्यार्थी का नाम ..... वर्ग ..... दिनांक - 23.9.2017 (शनिवार)

निर्देश: -

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- प्रश्नोत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न संख्या एवं उपभाग अंकित करना न भूलें ।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड - क

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

जब समाचार-पत्रों में सर्वसाधारण के लिए कोई सूचना प्रकाशित की जाती है तो उसको विज्ञापन कहते हैं। यह सूचना नौकरियों से संबंधित हो सकती है, खाली मकान को किराये पर उठाने के संबंध में हो सकती है या किसी औषधि के प्रचार से सम्बन्धित हो सकती है। कुछ लोग विज्ञापन के आलोचक हैं। वे इसे निरर्थक मानते हैं। उनका मानना है कि यदि कोई वस्तु यथार्थ रूप में अच्छी है तो वह बिना किसी विज्ञापन के ही लोगों के बीच लोकप्रिय हो जाएगी जबकि ख़राब वस्तुएँ विज्ञापन की सहायता पाकर भी फंडाफोड़ होने पर बहुत दिनों तक टिक नहीं पाएँगीं। परन्तु लोगों की यह सोच गलत है।

आज के युग में मानव का प्रचार-प्रसार का दायरा व्यापक हो चुका है। अतः विज्ञापनों का होना अनिवार्य हो जाता है। किसी अच्छी वस्तु की वास्तविकता से परिचय पाना आज के विशाल संसार में विज्ञापन के बिना नितान्त असंभव है। विज्ञापन ही वह शक्तिशाली माध्यम है जो हमारी ज़रूरत की वस्तुएँ प्रस्तुत करता है, उनकी माँग बढ़ाता है और अंततः हम उन्हें जुटाने चल पड़ते हैं। यदि कोई व्यक्ति या कम्पनी किसी वस्तु का निर्माण करती है, उसे उत्पादक कहा जाता है। उन वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने वाला उपभोक्ता कहलाता है। इन दोनों को जोड़ने का कार्य विज्ञापन करता है। वह उत्पादक को उपभोक्ता के सम्पर्क में लाता है तथा माँग और पूर्ति में संतुलन स्थापित करने का प्रयत्न करता है।

पुराने ज़माने में किसी वस्तु की अच्छाई का विज्ञापन मौखिक तरीके से होता था । काबुल का मेवा, कश्मीर की ज़री का काम, दक्षिण भारत के मसाले आदि वस्तुओं की प्रसिद्धि मौखिक रूप से होती थी। उस समय आवश्यकता भी कम होती थी तथा लोग किसी वस्तु के अभाव की तीव्रता का अनुभव नहीं करते थे। आज समय तेज़ी का है। संचार-क्रांति ने ज़िन्दगी को स्पीड दे दी है। मनुष्य की आवश्यकताएँ बढ़ती जा रही है। इसलिए विज्ञापन मानव-जीवन की अनिवार्यता बन गया है।

क) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए । **(1)**

ख) विज्ञापन किसे कहते हैं? वह मानव जीवन का अनिवार्य अंग क्यों माना जाता है ? **(2)**

ग) उत्पादक किसे कहते हैं ? उत्पादक-उपभोक्ता संबंधों को विज्ञापन कैसे प्रभावित करता है ? **(2)**

घ) किसी विज्ञापन का उद्देश्य क्या होता है ? जीवन में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए । **(2)**

ड.) पुराने समय में विज्ञापन का तरीका क्या था ? वर्तमान तकनीकी युग में इसे किस प्रकार प्रभावित किया है ? **(2)**

च) विज्ञापन के आलोचकों के विज्ञापन के संदर्भ में क्या विचार हैं ? **(2)**

छ) आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में विज्ञापन का महत्त्व उदाहरण देकर समझाइए । **(2)**

ज) उपसर्ग, प्रत्यय पृथक कीजिए - **(1)**

विज्ञापन, वास्तविकता

झ) मिश्र वाक्य में बदलिए - **(1)**

वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने वाला उपभोक्ता कहलाता है ।

प्र.2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×5=5)

नीड़ का निर्माण फिर-फिर
नेह का आह्वान फिर-फिर
वह उठी आँधी कि नभ में
छा गया सहसा अँधेरा
धूलि-धूसर बादलों ने
भूमि को इस भाँति घेरा,
रात-सा दिन हो गया फिर
रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा,
इस निशा का फिर सबेरा,
रात के उत्पात-भय से
भीत जन-जन, भीत कण-कण
किंतु प्राची से उषा की
मोहिनी मुसकान फिर-फिर
नीड़ का निर्माण फिर-फिर
नेह का आह्वान फिर-फिर

क) आँधी तथा बादल किसके प्रतीक है? इनके क्या परिणाम होते हैं ?

ख) कवि निर्माण का आह्वान क्यों करता है ?

ग) कवि किस बात से भयभीत है और क्यों ?

घ) उषा की मुस्कान मानव-मन को क्या प्रेरणा देती है ?

ड.) 'रात आई और काली' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड - ख

प्र.3 निम्नलिखित में से <u>किसी एक</u> विषय पर अनुच्छेद लिखिए - (5)

क) भारतीय समाज में नारी का स्थान ख) राजनीति एवं धर्म

ग) बाल मज़दूरी : एक सामाजिक कलंक घ) राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका

प्र.4 कॉलेजों में होने वाली रैगिंग की रोकथाम करने हेतु भारत सरकार द्वारा राज्य सरकार को पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

जनसंचार माध्यम किसी भी घटना को सनसनीख़ेज बनाने में पूरा प्रयत्न करता है दर्शक इसी को सच मान लेता है। इस विषय पर अपने विचार तर्क सहित प्रस्तुत करते हुए संपादक महोदय को पत्र लिखिए।

प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए - (5)

क) समाचार लेखन में विलोम स्तूपी पद्धति क्या है ?

ख) पत्रकारिता की भाषा में मुखड़ा किसे कहते हैं ?

ग) एंकर-बाइट किसे कहते हैं ?

घ) मुद्रण माध्यम को स्थायी माध्यम क्यों कहा गया है ?

ड.) रेडियो समाचार की एक विशेषता लिखिए ।

प्र.6 **'त्योहारों के नाम पर अपव्यय' अथवा 'एकल परिवार'** पर एक आलेख लिखिए । **(5)**

प्र.7 **'सांप्रदायिकता का ज़हर' अथवा 'पहला सुख निरोगी काया'** पर एक फीचर लिखिए । **(5)**

खण्ड - ग

प्र.8 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **(2×4=8)**

बात सीधी थी पर एक बार
भाषा के चक्कर में
ज़रा टेढ़ी फँस गई।
उसे पाने की कोशिश में
भाषा को उलटा पलटा
तोड़ा मरोड़ा
घुमाया फिराया
कि बात या तो बने
या फिर भाषा से बाहर आए -
लेकिन इससे भाषा के साथ-साथ
बात और भी पेचीदा होती चली गई।

क) बात और भाषा परस्पर एक-दूसरे से कैसे सम्बद्ध हैं ?

ख) बात पेचीदा कब हो जाती है ? और क्यों ?

ग) तोड़ने-मरोड़ने का क्या तात्पर्य है ?

घ) आशय स्पष्ट करो - ''भाषा के चक्कर में ज़रा टेढ़ी फँस गई।''

अथवा

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
अभी गीला पड़ा है।
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो
और .....
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है।

क) सूर्योदय पूर्व के पहले आकाश की भाव भंगिमा को कवि ने किस रूप में देखा है

ख) 'अभी गीला पड़ा है' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

ग) 'काली सिल पर' केसर पीसने का क्या तात्पर्य है ?

घ) प्रातःकाल की नमी को कवि ने किस प्रकार चित्रित किया है ?

प्र.9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(2×3=6)**

जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है

जितना भी उँड़ेलता हूँ, भर-भर फिर आता है

दिल में क्या झरना है ?

मीठे पानी का सोता है

भीतर वह, ऊपर तुम

मुस्काता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर

मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है।

क) उपर्युक्त पद्यांश की भाषा शैली स्पष्ट कीजिए ।

ख) काव्यांश में रस, छंद एवं अलंकारों का समन्वय स्पष्ट कीजिए ।

ग) 'झरना' या मीठे पानी का सोता उपमानों का अर्थ बताइए ।

अथवा

मैं दीवानों का वेश लिए फिरता हूँ,

मैं मादकता निःशेष लिए फिरता हूँ;

जिसको सुनकर जग झूम, झुके, लहराए,

मैं मस्ती का संदेश लिए फिरता हूँ !

क) काव्यांश की भाषा शैली पर टिप्पणी कीजिए ।

ख) काव्यांश में अलंकार योजना स्पष्ट कीजिए ।

ग) 'दीवानों का वेश लिए फिरना' पंक्ति किसका प्रतीक है ?

प्र.10 निम्नलिखित में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **(3×3=9)**

क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में सामाजिक संवेदन शून्यता का भाव उभारा गया है कैसे? स्पष्ट कीजिए ।

ख) पतंग कविता में कवि ने बच्चों की तुलना किससे की है और क्यों ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

ग) 'कविता के बहाने' कविता में बिना मुरझाए महकने के माने क्या होते हैं ?

प्र.11 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **(2×4=8)**

एक होली का त्योहार छोड़ दें तो भारतीय परम्परा में व्यक्ति के अपने पर हँसने, स्वयं को जानते-बूझते हास्यास्पद बना डालने की परम्परा नहीं के बराबर है। गाँवों और लोक संस्कृति में तब भी वह शायद हो, नागर सभ्यता में तो वह भी नहीं है। चैप्लिन का भारत में महत्त्व यह है कि वह 'अंग्रेज़ों जैसे' व्यक्तियों पर हँसने का अवसर देते हैं। चार्ली स्वयं पर सबसे ज़्यादा तब हँसता है जब वह स्वयं को गर्वोन्मत्त आत्मविश्वास से लबरेज़, सफलता, सभ्यता संस्कृति तथा समृद्धि की प्रतिमूर्ति, दूसरों से ज़्यादा शक्तिशाली तथा श्रेष्ठ, अपने को 'वज्रादपि कठोराणि' अथवा 'मृदूनि कुसुमादपि' क्षण में दिखलाता है। तब यह समझिए कि कुछ ऐसा हुआ ही चाहता है कि यह सारी गरिमा सुई-चुभे गुब्बारे जैसे फुस्स हो उठेगी ।

क) होली का उल्लेख किस संदर्भ में किया गया है ?

ख) सुई-चुभे गुब्बारे का उदाहरण लेखक ने क्या प्रतिपादित करने के लिए दिया है? स्पष्ट कीजिए।

ग) ग्रामीण संस्कृति नगरीय संस्कृति से किस प्रकार भिन्न है ?

घ) चार्ली कौन था और वह स्वयं पर सबसे ज़्यादा कब हँसता है ?

अथवा

इस दण्ड-विधान के भीतर कोई ऐसी धारा नहीं थी, जिसके अनुसार खोटे सिक्कों की टकसाल जैसी पत्नी से पति को विरक्त किया जा सकता । सारी चुगली-चबाई की परिणति, उसके पत्नी-प्रेम को बढ़ाकर ही होती थी । जिठानियाँ बात-बात पर धमाधम पीटी-कूटी जातीं; पर उसके पति ने उसे कभी उँगली भी नहीं छुआई । वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी को पहचानता था। इसके अतिरिक्त परिश्रमी, तेजस्विनी और पति के प्रति रोम-रोम से सच्ची पत्नी को वह चाहता भी बहुत रहा होगा, क्योंकि उसके प्रेम के बल पर ही पत्नी ने अलगौझा करके सबको अँगूठा दिखा दिया । काम वही करती थी, इसलिए गाय-भैंस, खेत-खलिहान, अमराई के पेड़ आदि के संबंध में उसी का ज्ञान बहुत बढ़ा-चढ़ा था।

क) भक्तिन और उसके पति के संबंध की विशेषता बताइए ।

ख) लेखिका किस दण्ड-विधान की चर्चा कर रही है और क्यों ?

ग) भक्तिन की जिठानियों और उसमें क्या अन्तर था ?

घ) कैसे कहा जा सकता है कि भक्तिन को गाँव के जीवन और कामकाज की विशेष जानकारी थी?

प्र.12 निम्नलिखित में से <u>किन्हीं चार</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(3×4=12)**

क) 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण विज्ञान के सत्य पर सहज प्रेम की विजय का चित्र प्रस्तुत करता है। स्पष्ट कीजिए ।

ख) बाज़ार को कैसे लोग सार्थकता दे सकते हैं ? बाज़ार दर्शन पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ?

ग) 'भक्तिन अच्छी है पर उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं' इस कथन के समर्थन में तीन तर्क दीजिए ?

घ) रात्रि के समय गाँव के वातावरण का वर्णन कीजिए जिसका विवरण पहलवान की ढोलक कहानी में दिया गया है ?

ड.) जीवन की जद्दोजहद ने चार्ली के व्यक्तित्व को कैसे सम्पन्न बनाया ।

प्र.13 **'सिल्वर वैडिंग'** कहानी के आधार पर उन जीवन मूल्यों का उल्लेख कीजिए जो आज बदल रहे हैं। क्या आप इस बदलाव को ठीक समझते हैं । **(5)**

प्र.14 क) **'जूझ'** कहानी के शीर्षक का औचित्य सिद्ध कीजिए । **(5)**

ख) **'जूझ'** के लेखक की छूटी हुई पढ़ाई फिर से प्रारंभ करने में दत्ताजी राव देशाई के योगदान पर प्रकाश डालिए । **(5)**

अथवा

वाई. डी. पंत के साथ उनके पारिवारिक सदस्यों का संबंध कैसा था ? क्या वे एक दूसरे को समझ पाए ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ।